A.C. Joshi Library
P.U. Chandigarh

MSS No. 288 Subject PHILOSOPHY

Name of MSS राजनीति कवित्त (RAJNITI KAVITT)

Author देवी दास (DEVI DASS)

Period ________ Folios 13

Script DEVANAGIRI Source Prithipal Singh

Missing Folios 8-11

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

A. No. 2488.

दे० री०
रा० नी०

ॐश्रीगणेशायनमः अथदेवीदासकृतराजनीतकाकवि
तलिष्यते कवित्त नीतिहीतैंधरमधरमतैंसकलसि॰
द्धिनीतिहीतैंआदरसभानिवीचिपाइये नीति॰ तैंअ॰
नीतिछूटैनीतिहीतैंसुखलूटैनीतिलीयैंबोलैभलोब
कताकहाइये नीतिहीतैंराजराजैनीतिहीतैंपातसा॰
हैनीतिहीकैनवषंडमहाजसगाइये छोटेनकौंब
...बडेमहाबडेकरैतातैंसबहीकौंराजनीतिहीसुना
...कौनइहदेसकौंनकालकौंनवैरीकौंनकौनमे
...हितैंनटारिवो केतीआयपर्केताषर
...नेहीउनमानमाहिमुषतैंनिकारिवो ॥
...कोकौंनमेवेअवरोधताहीकाउपाय
...धारिवो राजनीतिराजनकौंदिनप्रति
...पारिवरीरातिरहेइतनौंविचारिवो ३ छो
...लनकौंसूरनकीवारकरैपातरेसैंपोधापा
...रिपारिवो फूलीफूलवाबिनकेफूलमा
...ग्रैंदरषतएकठौरतेंउपारिवो नैनयप
...तैटेकदेदेउचैकरोउचेबढिगयेतेंजहूरका
...वो राजनकौमालनकोदिनप्रतिदेवीदासचा
...रातिरहैइतौरोविचारिवो ४ आरंभतेंजास
रि॰ ...कनतैंवैरहोइदूसरेकूनमजाहुधरमठहूरैनंहीं॥
बहु॰ ...कनजाहूउपजैकलेसबहुफलअैसोलागैजा
...कजाहूउपजैकलेसबहुफलअैसोलागैजा
...टहूभरैनहीं अतिछोटाकामजैसोकुलमैंकीयो
...अतिहीदुरंनकैसेएरोकुंपरेनही देवीदासजा

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

कृ॰ मी॰ २

वातमांझिवो आधिमलभोजनउपाधिमूलहा
देवीदासकोमलएकख्यालसवकोनिवो हरिवेको
मलएकख्यालरीझैरनमांझिवातरीकोमूलएक
वातकहिजानिवो ८ कुमतितेजसजाइगरवतें
लछिजाइकुनारीतेंकुलजाइजोगजाइसंगतें भ
षतेंमत्रजाइजाइलडाईतेंहतजाइसोचतेंसरीरजा
इसीलताकुसंगतें कपटतेंधरमजाइलोभतेंव
[illegible] तेंमानजाइपापजाइरोगतें नीनोवे
[illegible] पसाजाइदेवीदासजाइरअ
[illegible] मतेंगहरिफोजचतेंर
[illegible] तिहे गाहेगद
[illegible] रदे
[illegible] नकी

मैंलाभबरचवरोवरहीवुधिवानहै [illegible] ऐसोकारजक
रैनही ५ एक[illegible]कोवालवोलतोलहैलकैतमोलए
कैकोरीहीकेअविचारनिसमेतहै कहीकीरहीतोभ
लैनरहीतोअतिभलोऐसेतोमनुषमहीकोनजानैंके
नहैं सोचसिरलीयेंविरलेमरलदेवीदासरैंनदिन ९
आपनैविचारमैंसचेतहै याहीतैंवडेपुरुष[illegible]वोले
[illegible]वैरकीवोलकाजैंवोलतापुरुषजानदेतहै ५
[illegible]परताबैसापसापपरमोरराषैवैला[illegible]
[illegible]कैकहाभीतिहै एतिनिकों[illegible]
[illegible]राषैवम[illegible]कोगजमुषर[illegible]
मपरवामरराषैहि[illegible]
[illegible]ईजग[illegible]
[illegible]आनौ[illegible]

CC-0.Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

ले.
गि.

गहैारथरेनमांहिदेवीदासदुकिपंछपैनांहीभलेप
रे धीरधफविधसरधाइककैधवाकोरूपतिहिहोरकं
धदैपुरंथरैपुयाधरै ९६ आपुनअकेलोआसपा
सिवहूवैरीतवदांतनमैजीभजैसीतैसीभांतिरहिये॥
नांनियैनिकासपैठिचलियैनरसहूकैनेहकरैतासों
वामनेहसोंनरहिये अनमिलैमिलोसोदिषाइयेंर
...जासतावैदेवीदासमोयाइसहिये दावपरै
...अनेवालियेजठासाआरपैंदिवैयांनवैहर
...९७ काहूकेमगारैंकामवेठाकायका
...दासउहिदाकोमारिवोमनधस्यो सुंदरी
...काहूकसैापाडोसावमेरासेनसाधनुषवांन
...धांछलकरसैा निधरकवाइसयावचनपैवैठो
र...हिहियेचतुकामाहोमहीमेगिरिपहो गिरतमे
का...कसोहोतोसदाजीवतहैाजाकोवालगयोताको
वालमहैासुमसैा ९८ सूरवीरराषैसोईभोगवैव
सुधराकोकविनकोआदरैगासोईजसपावैगा भी
रपरैतवकोनलरैरजपूतविनकुविनकेरीयेविन
कोनजसगावैगा देवीदासयेईतोलवाजमहैरा
जनकेरनकोजुआदरैगोसोईसरसावैगो साहि
वकोजायावडोसाहिवकहाथोचाहैसुनोईनहू
नकोआगहिलगावैगा ९९ सूरषनमाहमहा
मोर्रसोवैठिकरिजिहीविधिमनमानैतिहीविधि
वहोना वचनकोआसरनविंगकोविचारजहांअ

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

2A

लघेहषवैको मनकोउदारहीलोहाथ्यकोअकेलोये
ककाछहीकोकाठोहैसहैयासुषपदुषको पचिकेंपि
तापहैनेअैसेकेसवाहोतवयानेकछुआवहूंसिंगा
रहैपुरषको ९२ देषिदुरिहीनेदेवीदासदौरेपनच
रायथिकुपियासेठोरजलकीविचारिकेंआतरहैआ
यजोह्यांदेषैतोहैअंधकूपरकिंरोकिदेषैनीरनिहूरा
पनारिकैं ग्रीषमकीप्यासभयेनेसैंईऊदासपंथी
आसपासचलेरायदुषवारिकैं आस
वतजेदेषैनेऊडहकेनकोकोईहैहूवामारि
भागयाकेवापकरननिमहूनारीमिलिवेरोभ
नामजगमेंवडाईहै पालीगुनीधावरनिधुधि
घटैकैदिनदिनवरीसवहीकोंसुषदाईहै याहे
चौरवहूवडीहारदेनगयेवडेनकेमनयहैनेकन भी
ईहै देवीदासछोटेनकोकवुलकरैननातेसवजगमा
हिभारीएकयहवाईहै ९४ डोलेनहीचनेचरवनेसा
रदाकेवरवाननसुधुरसालडारनउदावमे पहिलेव
डाईदेहिपीछेकछुलेहिजगजसकोपकासेंतिनेहूरा
षेंकरिहारमें पराचीनपापनितेसुमसिलवारनिमें
आयपरेकरैकहाभूजेमनेभारमें देवीदासयेईहैंकि
कोंनेकुंविराजनकेआपघरवारमेंकेराजेदरवारमे ।
९५ अंगनिसिगारेनारेरूपकेउजारेभारेडीलकेउ
रेपारेवहुभोगदेवेंदुरचेसगरारेडारेगलनकेगारेकोर
रननेउघारेसारेकोमनकछुरैरे महाभारभैहोमेव

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

दे॰ कुं॰
पा॰ नी॰
३

वैसो देवीदासयाहि बिनुचारि पायोचाहै सतैतौ दां
तनितुरावैसोके गालनिफूलावैसो १५ पारकै
गुमानकरैहारटी ह्वै सेवैयारैं हाथी औरैं अनसरै
अैसेमूढ औरहै ग्यानी ह्वै प्रपंचराचे संसारीगनैन
पांचैराजाह्वै रूपनिताके समसिरमोरहै गनिका
कूलपधनवांन ह्वै फकीरवैरवांधिकैं सिघलभेया
रातिदिनजोरहै जगमैंजोवसियेतोहसियेनको
ऊदेवीहमेंसोही जोचाहै तोएहसिवेकी ठौरहै १६
संगलीऐं चलैंरंगचमगठकोर [illegible] वासहवैविधि
[illegible] सहपावनरद्रुतकाहूरसूरमैंद्या
मैकोऊ आतुरैनहींभीरउपद्रवजोलौंवया
रिवलीजरथोऊ तौलगिनलकोपाथरकोव
पहारपहारवरावरदोऊ १७ ऊजलमहूसचिव
कनसंदरचंचलहोइनहीपुनिभपर कोकिलग्यो
भलोपालकोसवकीसहैठैसरहैमनौंधूपर ।
आयपरैजभलीहवुरीसोईलेहचाहाइसवैसिर
ऊपर एककविजकहैदेवीदासविचारहूं पंथभम
धांनहूंपर १८ अैसहरसौं सनीआछीहछना
कीहुविलीधेंजकिसैं जरीहैजाकेअंगअउदा
नहै साचसैं सनीपेमनुहारिसौं मिलिविचा
रिपरनांमनीकीमीठीसोनानिग्रचातदै आ
वरनिथोरीओहअर्थकरिमहावडीओरकोहि

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

3A

मसवहीउछाहहोनङ्गीठिहाइभाइकी तीमैंलोकति
महतिराइनिमिरारिविन्हपैवुरीनहोइमिटैविलोक
निकाइकी ऊगैमूरवारहनगतवारवारहकैमाइत
हवारमहाप्रलयवलायको भलीइकनायकीहैसोउ
मैनहोइतौयातुरीवहुनायकीतेनीकीनिरनाइकी ए
दानवकौमासमेदुलेकेमदसरननैमेदिनीवनाईमै
सैंवेदनमैंगायोहै ऐसीयाछिनाइटकेशिमु हैभ जब
पसवजसमैंसाहवासिघाइतोहीमनभायोहै भूप
तिकहाइजादिदेवतहीदेवीदासतीनछहिमाइसो
ईमाईएतजायोहै अरिकेहप्यारनीवे...
टीनदुषसाहिवतोसोईपरमेसरवनायो है
६० महनपनौंप्रजाप्रजा...मारिघायोचाहेतोकोएक
वारहीतोतपतिनिदानहै बुद्धिवानहैकैंप...नाम
कोविचारैचितप्रजाप्रजावीचतोअनेकघां...
है देवीदासकहैभूपपालतहैघावदेकैप्रजाप्रजा
विरधेतोजांनतसुजानहै ऐसिषतेहूधसौंप्रजा
वेकेऊवारतातैराजानिकौंपारिवेप्रजाप्रजासमा
नहै १४ दोलतिमिठाईलासौंलपरेहैंलोगतातेदो
लतिकीमांघीतिनैकहांलौउड़ावैगा एतीलोकौं
घोरीयाकोठाकुरकहावैयामैंवाहोहैसवकौव
दसाहनहूपावैसो मायाइदकालपीकीमिसरी
कौकुजानाहिवादिछांनियीजानैसतोभलोकहा ही

दे॰ कु॰
रा॰ नी॰
४

4

मैलौ रीजहंससतेरौ बहुजानिये मांनसरकै तौ
बडे मोफलगहनतैं बडो मेरे चाहतें बडो जतु कैसें
आनिये जा जीवकी जहांलौं पहौंचि नहीं देवीदा
सताकौ बुरौ मनमाहतनकौ न मानिये २३ मा॰
धौंवमैं मुहवमैं मैं छवनी एं छवनी लाघवव
मैं घुनिवाइसमत्तलकौ रंगपौचंगपौ अंगव
मैं लाकवमैं पंजावमो कतनमसटाससमूहसिं
घही केसलकौ गुंजिवेकी वविमो निगहिवेठो
देवीदासवे सोही सभावकूद फांदफालफूल
कौ कूंनरकेकूं भहिविटारिवेकी वेरके सेंहूक
रपैनि... खांगसारसूरकौ २४ लोचनच
...चैं चुवावकरि चोषरंगै देवीदास रूपरतेऊ
जैरो दुहेरिहैं उचीनारिकरिवैठेमौं निअभिमा
नगाहिपेडुकमरालकीसी चालपगफेरिहैं वै
सी भांति पेषिनो हि हीये अवरेषि छुनिसकल
नकलदेषि हंसकहिटेरिहैं एकह भईज कोऊ
पीरआनिमिलैमानवएरेवकवीरनीरछीरकौं
निवेरिहै २५ असाहमैं निपज्यौ सावनमैं ल
हलहांनो भादौंमैं फुलगछाडि पल्लवभराभ
री कारकेकुनागनमैं फूलिफलि मसलभयो
वरसैं चलाई है सगाईकी बराबरी वहकहैव
हहेति हारो मो पै मयाक विधामहन आहहै॰ दे

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

तुहै ज्ञाकै सुनैं दुष जातिहै वेदकी सीचांनी चा
नसीं ईवात कहावत देवीदास ग्रौर वातन बातनि की
वातहै १९ सरदकी चांदनीसे ऊजरे ग्रमोल सुभग
सुंदरसु व्रतनडुराए दुरवेकेहै वेइगुनवंत देवीदास
मनमो हिलतपानिप सींपुरतन सुहार हरिवेकेहै ।
काहूए कहूरकी कुराई करि फूहिराए फिरि सूढ़ ।
मोहोया चाहै वेनसुरिवेकेहै मीतनके मनमोतीफा
टिहूटेहै भयेसुलाषदैके जोरो कहा फेरि जुरवेकेहै॥
२० भलेबुरेमानसकोपटतरो देवीदास भांतिभांतीये
ई षग्रोरुसनदेनहै वारुग्रापकौ हिलाइवेकेहै पि
लाइमारुषाइपरनांमर सकोमिटकेनहै सवसनैं
सनुचनु फूलफलिछ्ययकरि जरनेकताइ पहो(?)
नीमें ग्रचेतहै ग्रापकौ सवाइ गुनिग्रांकौ सराहुनिज
वामउपराइपरवंधनसींहेनहै २१ भलेबुरेमान
सकोपटतरो देवीदास दरजीकी सुईकहै ग्रकेली
येदेतिहै येनोग्रौरसुग्रचंरकेगुमांहूछेदपावे ग्रा
पगुनहीनतासीं कहैनेतिनेतिहै ग्रवसुनोहू मैं ।
ग्रावडेरेकीभलाई वहगैलनोचलाई परगुनसीं
सेमेतिहै हिगिहिगिहूरिहरिजेई छेदपावे वहतेईय
हुग्रौरकरिपूरि पूरिरिलेतहै २२ कुवामाहें मेडकौंति
मंगलकै रह्योनहां ग्रायोहंसउडोदेषिनीचेहूपपा
४ नीमें वैठाउपकंठवाले मेरावसोमैंडको तूकोहे

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

5

दे॰ कृ॰
रा॰ नी॰
५

समराषैताकौंसषअभिलाषैआछोआछैवेनभा
षैसदावेईतोसराहिए चितहितपागेकहैकाहूके
औ नलागेपीरपरैभीरलागैज्यौंदुवनउरदाहिए वा
रवारतूठेनकसीरहौंसौंहूठेदासलावतनऊठे
चित दुषपरैतैंनिवाहिए [illegible] अतिप्रीतिऔप्रती॰
देवीदास तिएकरसऐसेचाकरनिकौंऐसेप्रभुचाहिए
३० सदाचारलीनसववातमैंप्रवीनपानीअन
पायंपीनहीनकवहूनभाष्योहै कुलकेंकुलीन
कपटीनआलसीनजिनिदेवीदासलोकपरलोक
अभिलाष्योहै ऐसेएरेपुनिनमिलेहैंजाहिचा
ब केजेसांकेरमैंसवलोकवेदइहभाष्योहै साहि
वकितेकुदेहैकेतोसनमांनकेहैमांनकेवदले न
ऊनप्रांनकरिराष्योहै ३१ वातवातऊपरिष ७
सामदिकरतहैंजेमुहपरिमीठेपीछेंचवाईनि॰
मा कैंगरै संपतिकेसाथीस्वारथकसदीवेहूसा
रलेवेकौदुस्वारऐसेचाकरकुवापरै छौति
कैंनमानैएकडौडहूजानैजोगाजमैंअरज
ठानैंतिनविनाहीसरै देवीदासहीरेपेरसेव
कनिवीचिसोधिऐसेनकैंअलपफोदेसिवाइ
दैविदाकरै ३२ हूवरेसेआवैभूषेकामकौं॰ ७
किलकिलवैजितहीलगावैंहमसौंईकरैसो

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

जैसी है पराप री देवीदास देव ऊठे दान काहि रह्यो
5A बहभाइ भयो भिङाक रिवर सौं वरावरी २६ को
होपाय पहोत मति वटै में हू जो वट भए है तो वटे
कौं न साषाए कहू कहै साषा जो वढाई तो फलें है
ऐसे काहे का जै जापें होति कोरि कपषेरु तिको
हू कहै फलें भली करी तो न ए हैं ऐसे कों काजे
न ए है तो सहै देवी को ऊ जो कछू कहै डारपा
मरु न जटा कूट के मति चहे को नूर्व वट मैं वट परे राव के
री एचु कहै २७ सरसौं स रोज सों साधा क है सों
ह कू सो समीह सोस हाई जाके पास अनुसरि है
अनुचर चातक सो वगुला सो जानत कै सो भो सो
भलाई कहो कै सें परि हरि है हाथी सों हरि नसो
है पानी कैसो अंग जाको वन को विहंग सो पे जाकी
दिगि परि है देवीदास ऐसे भूर वाव है जो वार
० होइ कहो धौ विचारि ताको वैरी कहा करि है २८
विन कहै सब जानैं सो सुत सिर पै रमानैं सो हिव
की भीरमानै मन भाइ ये है दुष सुष जो न आनै थो
रे ही रहै अघानै धनी को जै मान दइ ते ई गायय तहैं ॥
निडर मैं डर राषै डर मैं निडर रहै होइ लाज सौं लपेटे
तै रँक विछाइयति है हरीअर जी न होइ वरजी न क परी
है ऐसे चाकर तो पर पुनि पाइयत है २९ मांन ०

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

दे॰ कु॰
टी॰ नी॰
६

6

सासवाउरोकिराषीआंषिनिमैंजीउदंभकायैज्ञा
नहैकसो छोरीछोरीमछरीनिछलिबकोंदे
वीदासदेषियोबगुलायहूदचुलासोहेकरसो
३६ मीनज्योन्हाइफनीज्योंभषैपौनमैंघज्योंप
ञ्चग्रहारचढावै चातकसोजलहीनरहैनितनेपा
रनिज्योंगिरिचोरवसावै षाषमैंलोटिउठैष
रज्योंग्रहध्यांनधरैबकज्योंकहापावै देवीकहै
वोहूग्यानसुनैबसिषारोकीयेंकछहाथिन
आवै ३७ पंचनिप्रतीतिसांचसांचकेसमीपि
हरिसांवदीनैदेव मनवांछितकरतहै सांच
[illegible]भुगतिमुकतिहोतिसांचहीतेंदेषारिबुद्दे
निआगिपांनीनडुवतहै सिंहसांपसंक[illegible]टन
वालेतासोसांचलाग्योसांचतेनिसंकदेहधीर
ज्ञधरतहै देवीदाससनसांचैदेवअनुकूलग्यो
रधरमकोमूलजहांसांचआचरतहै ३८ झू
ठैसकलनेमधर्मपरुपुत्रहानिझूठैंतेसता
रहुसिंघुबोलीयतहै झूठलेकेसभामांहि
झूठीसाषिभरैताकेपित्रनिकोंनरककिवारषो
लियतहै झूठिगांठिबांधिजहांजाइतहांपा^
यझूठाझूठेकीसंगतिकीयेमास्योडोलियत^
है देवीदासकहैतीनतापआपदाकोमूलपा

सो कहै साहिबनै भूषे जो निर्दुर्बलकी दया आनि
6A मेलि दीनै मालपर कहन अरोकहैं जहां मेह घा
ले तहां गिलि गए सरब समानै गए पलमांहकौ
नसनैको कहै फेरि दुहिली जेतब कांमि आवै देवी
दास कहियो विचारिए धौं चाकरकि जो कहै २३
० हितकारी ह्वै कैद सैदाइ निज साहिबसौं हितकीन
कहै तो हितरूपनैं मे षामी है वैसे सभासदकी बुद्धि
निकी हदकी जो रहनै नहीं देवीदास सो तो सठ स्वा
मी है मंत्री होइ हितकों कहीया और या जा होइ सा
रकौ गही या तौ तौ जो राबहनांमी है नानरूप
नि है विपति ही को गामी और मंत्री दहनिह
कहीको गामी है २४ बानन विदहनहारै वित के
लहनहारै अंतरमैं कारे और ऊपरतैं गोरे है जानी
यो उनहि पोरे दिनके हैरनहार टेकरि कुमंत्र स्वा
मी सं करमै बोरे है नां हित अनीतिके सहनहार रह
मतेरी पोरि के रहनहार बावन है भोरे है राज
निके चितके गहनहार घनेप विदेवीदास हितके क
हनहार थोरे है २५ एक पाव पेट पैं लगाइ लीनौ
लंगरनैं दूजे पाव ठाढो मुष महा मौन हे गरयौ ।
नाविहिनवाइ इक ठौरी करि मेछिवौं चपीठि मैं दु
राइ राषी हप जाइन कह्यौ हलिवौ चलिवौ मेरि

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

दे॰ कृ॰ रा॰ टी॰ ७

है कोमलसौंकहै मतिहीनछमावंतसौंकहतअ
समर्थयहकैसोभयभीनोहै देवीदासकहैऐसो
कौनगुनहैजुईनमूढदुर्जनननविकरिअैकित
नकीनोहै ४३ मौंनिवैठिरहैतोसभामैंमूकना
वपावैवोलैवारवारतोलवारसगरेकहैं ढिगआ
इवैठेकहैढीठिदुरिवैठेकहैअभिमानीहाकै
की सीभांतिकैंरहैं छमाकरिरहैतोडरपस्यारकहै
सववरावरीकरैकहैंनीचकेलछनहैं देवीदास
कहैजेपराएभएचाकरहैंतेविचारेकहौकौनभां
तिकैंसुषलहैं ४४ वडेनकेसीसंधेतेतनकुलिन
कालेततातहीथिरतासौंवांधेवडेप्रीतिकेपनैसा
वधांनभएजतनमावधिलौंभूलैनाहिंआंनयाकै
काजैदेहऐसेसुषसौंसनै देवीदासअवहनैनांनी
चनिकीऐसीगतिकौनभांतिकीजेहाथवैसेऊन
केमनैं मानहूलौंदेकैउपकारहिकरैजोकोऊता
हूपलतिनकाकोकिनकाकिऐंगीनै ४५ वहैन
रवहैनांववहैघरूवहैगांववहैकुलइनमैंतोएक
हूनचलिगो वेईगुनवहैवलवेईवानवहैवुधिवे
ईसगेमीतनिमैंएकहूनहलिगो हाइएकअर
थविहीनाकैसोदेषियतछिनमांहिगुनकोसमू
हमानोंगिलिगो वहै उनिलोगनिकौंओरसौंल
ज्यो गनिलौं देवीदासवेहीअंगसूगासेवदिलि

7A

पहीकोमूलजहांऊठवोलिषतहै ३९ जोकछू
विधातालिष्योलेकरिलिलारपरताहीपरआपनो
अमलआपकरिले सोनेकेहमेहभावेमारवार
मांहजाहचोटवहेनाहिपहनिहचेमेंधरिले देवी॰
दासकहेजोईहूनहारसोई [illegible] देहेमन
मेंसंतोषवरैनिदिनअनुसरिले वापीसरसरिताः
भरेहैसातसागरपैतूतोतेरेवासनसमांनपानी
भरिले ४॰ एरेकूलजनमनिरोगदेहसरीरवरू
विभवविसालसरसरीतीरधांमहै सांहसीसपूत
सुषदाईककहूंबचारिपतिव्रतानारियहएरोमनका
महै रांमजूकीभगतिसुकतिदानदेवेहीकीचाक
रकूकमलारीजाकेंजसनांमहै देवीदासएतेगुन
पाइएजगतमेंतासुनसीरसुकतिकोंहरितेंमना
महै ४१ छोटेकुलजनमकुठोरवासदेवीदासरो
गीलसरीरदिनदुषसोंभरतहै दुषदानाएतधूत
कुरमाकसहघातिकरकसानारिनेंनदेषनजरत॰
है पराधीनजीवनअजसलोकपरिसोमूरिष
केहारेदोऊहरतपरतहै ऐसेकोजनमदेषेंजगमां
झिमेरेजांनेंजमकेनरकवासीसाहिबीकरतहै ४२
लाजकेसोजडकहेबतीसोंकपटीकहेरुचिसोंक
६ हतंबनिजेसोदंभलीनोहै सूरसोंनिठुरकहेमदु
वोलेंदीनुकहेवकतासोंबातनिमुषरदोषदीनो

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

9

दे॰कृ॰
रा॰नी॰
१२

12

वेरछोड़िकैं विकारवैरीहूकोंसुषसोंभरै वडेनकीवैरु
षकीवालनिगएागरीसुनीचनकेनेहकीवरावरीतऊ
करै ८० ऐसोकोऊनमिलैहोजासोंमिलवैठिदुषपे
टकोकहियेसुनिलेयहोतभेटमै ताहरीघटायआधे
आधकैवहायलेयऐसोआसनावतोनआवैकोऊजे
रमै देवीदासदीसैनितिस्वारथ्थरायनतिनसोंदुषऊ
षवेकोंलियामगामेटमै वातकेवलूलापेटभीतरि
हीऊठैरसनाकेलरआयफिरिजातरहै पेटमै ८१
करताहिमारैलगआयकैजनमहारैकोरनिपरेहै
धिकउनकेसमाजकों पीरनपराईयेकस्वारथप
राईनहैपेटहीकेचेरजेचुमांवेवीजलाजकोंऐसोको
ऊविरलोविरंचिनेवनायोहेतपेटहूपरायेकाजले
तनीरनाजकै आपनेउदरकाजेपीवेवाड्वागिजो
ईसांईपानीपीवतयोटपरकाजको ८२ कैतूजग
जोगकरिकैतूसुषभोगकरिकैतूगुनरूपकरि [illegible]
मनकहायहै कैतूदानसीलहूकैंजोगावरडोलहूकै
सूरसिरमौरहूकैंगीतनगवायहै कैजगतपूजिहूकै
तपतेजपूजिहूकैगीद्नमैनोयकहूजैसैनउपजायहै
जायऐसेपूतहींसपूतीभईहैतोदेवीदासहैकहोवा
ऊकोनसीकहायहै ८३ चहीदोऊअनीभीरपरी
हैधनीमैजीवजाकोलोनजगतमैषायोतेअघायहै ।।
ताकेहेतदैकैप्रांनटूकटूकहूकैपरलोकमैबडाईऔ
रैवलोकपाइहै दालोदीयेआवरिंनकालोछोडि

12A

ईसमातहै चंद्रमांकीचीठीकवआईहीचकोरनकोंघ्रन
केबुलायेविनचातकचिचातहैं देवीदासकहैमोहकवि
गुनीलैंगयेतोदुनीमाऊजहांककुदेषैतहांजातहै १६
येकजातिदोऊएकरूषपरिवैठिकहूयेकसेलगतदेहहू
लकीनभारीतै एकहीवरनएकठांववसवासहूतौअं
तररतीनहूतोदीवेपरकारीतैकोहोहांकहैतकोनकोय
लकवनकाकमूकहैरस्योनकूरकरीचूकभारीतें देवी
दासकहैंमनवोलैहीभरमहूतोवाहसवलातकारवो।
लिवारपारीतैं १७ लोकमांहिकोइलकोंआदरअधि
कदेषिलवाकहेभलेलोकयाकेसतकारमे याथौंहू
रकारीदारीवोलिभारीभारीजगमोस्योनेककरियारी
जानैतेरेयारमे येवेवीपलादकयेलोकमोसोमयाक
रेकाहेतेंद्योतोहिभूजिषातहैअहारमे काहेकीवह
सिमोहिनोहिदेवीदासकहैमेरोचरओवपरनेरोचर
मे १८ फलिरहेरूषफलभूषलागैतोविषायप्पा
सलगैअनुयासभरेनदीनारेहै पालकीपुहमिकीसे
जलैविकायराषीगेदवासभरभरेयेहीभजभारेहैं ति
रिगुहागेहमतिगेहनीसोनेहकीयेदेवीदासकहैजोरी
जगजालजावेहै जेइन्हैडुलावनहैवारवारतेतोइनिदु
नियाकेकारवारवारमारेहै १९ सज्जनकुलीननके
पहैलैनोकोयनांहिकदाचितकवेछिनयेकमैपरहरै॥
छिनमेनहरैकोयकाहूयेककावनतैंतोयरविरोधीके^
विकारकैनहीधरै देवीदासवडेनकेकोपकीफलकी

दे० ल०
ग० नी०
१३

ननद्दुरितजीवघातकसौकांमहाप्रवलनांहिदतवसो
लहैनो चिंतासौनसालदेवीदासतीनलोककहैसंतो
षसौसुषनाहिकीरतिसौगहैनो ८८ जेतयाहीलो
ककैपिकरकरैनोत्तहिनिद्राकीचिंताचितनेनहि
नैकहूनधरनी पीछेलेकरमनेरैतिनहीवनायरा
[illegible]सोहीतोहिइहांग्रवनिभरनी पुछिवेदच्यारि
[illegible]मनमैंविचारिग्रवग्रावेसुकवुलकरिनांहीकौ
[illegible]। देवीदासकहैजांनियहैपुरषारथहैमांन
[illegible]ापरलोकहीकीकरनी ८९ काजीलूटै
[illegible]नीलूटैदेसनकौगांवलूटैतपदारहैनीतु
[illegible]है घाटलूटैघरवारवाटलूटैवटपारवातिलू
[illegible]वारमहिग्रैसैमांचतांचीहै जमीदारलूटैभ्रम
[illegible]नकौदेवीदासउमरावलूटैमहतेपयादेलूटै
दै[illegible]कलिकालमाऊजैसीलूटिमांचीहै ९० चौ
वदारग्रागैचलैग्रांधरैसौलागतहैमजरेमैवहरो
सोजांनतजगतहै कांनासौनीवातेकरैगुगरौ
सौलागैहै पागारश्रोटेकनदेपंथमैडगतहै दे
वीदासदालतिनैमांनसमैयेतेगुनजोगीसोकहू
भीतिनपगतहै तकियाउठैगादीयेंषनहासौवैठ
नहैमोरछलहोतनवैरागीसौलगतहै ९१ पे
टकौनिपटसुधग्रांषिनलजीलोग्रोरऊरकौगं
भीरहोयमीठोमहासुषकौ वोहकौपगारपुनि
पायकौग्रडिगाहोयवोलनकौसाचोदेवीदास

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

हैरेकुलकालोहीलगैगोग्रानिपहैोभलोदाईहै देवी
13A दासभीकरिकैंभौनजैहै नीकरिकैपिरिग्रैसजोकरि
कैकौनकाजग्रायहै ८४ सांचकोसरमकोसरनिग्रा
येपालककौंसरधाकोधरमकोग्रौरजहूचालहै स
रनकौंसीलनकौंग्रौरदानसीलनकौज्ञाननकोदयाकौ
संतोषहीनहालहै रजकौहतेजकोभलाइकोमित
कौंभगतिभांवनांकौंपतिलीनवालहै देवीदासक
देसदेसदीपदीपदेख्योग्राजिकालिकालमांऊ [illegible]
दुकालहै ८५ पंडितगुसांईसाहुसाहि [illegible]
रदारनकीलोकलोकमैबढाईहै राजा [illegible]
यजादेसाहिजादेदेसपतिमहीपतिदोल [illegible]
घरचारेएतवारेसुंदरीसंजतवारेजिनजायसा [illegible]
लौंकीरतिपढाईहै देवीदासयेनोसबदुषही [illegible] ग्राज
हैउपरकलाईजेसुषकीचढाईहै ८६ पलमै [illegible]
लैग्रैविलीयेहैग्रकासमैतैबुंचीजहांछुहतीहैदेषियें
सलाकरई बनमैतेबाघंबरग्रौरनिनैविषधरछोडे
नहीबैसाहूंदेवकहूकीतलाकरई ग्रौडेजलजालमि
लिजलचरग्रैंविलीनैकीनैग्रापवसिजहांउतनीज
लाकरई देवीदासकहैकोऊकवहूवचैनकहूंदेषो [illegible]
मैलोककालकरकीचलाकरई ८७ लोभसोन
ग्रौमनिपिसुननतासोपातकनसाचसोननुपनाहीदी
रघासोदहनो। सुचिसोननीरथसुजनतासोसेवक
नर्दहेसोनरोगतीनलोकमहकनो धरमसोनमै

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative